सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

जीवन में सबसे बड़ी शक्ति विश्वास है,
जो अंधकार में भी मार्ग दिखा देता है...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-72 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 02 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

"नई दृष्टिबिंदु" अखबार को मिली दो बड़ी उपलब्धियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु अखबार परिवार के लिए आज का दिन दोहरी सफलता लेकर आया है, जिसने पत्रकारिता के क्षेत्र में उसकी सशक्त उपस्थिति को और मजबूत किया है। पहली बड़ी उपलब्धि के रूप में हाल ही में प्रकाशित अंक में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध का नक्सलवाद पर विशेष लेख 'बस्तर: बंदूक, सच और पत्रकार' पाठकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना। इस लेख में उन्होंने बस्तर के घने जंगलों, नक्सल प्रभाव वाले क्षेत्रों और विपरीत परिस्थितियों के बीच पत्रकारों द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। लेख यह दर्शाता है कि कैसे जोखिम भरे हालात में भी पत्रकार सच्चाई को सामने लाकर समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देश के वरिष्ठ स्तंभकार एवं भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का लेख अब प्रत्येक शनिवार को नई दृष्टिबिंदु संजय उवाच नियमित रूप से प्रकाशित होगा। इससे पाठकों को समसामयिक विषयों पर गहन और विचारोत्तेजक विश्लेषण पढ़ने का अवसर मिलेगा।

अखबार प्रबंधन ने इसे पाठकों के विश्वास और समर्थन का परिणाम बताते हुए आगे भी निष्पक्ष, सारगर्भित और प्रभावशाली पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

भिलाई में हनुमान जन्मोत्सव की धूम

सेक्टर-9 मंदिर में आधी रात से उमड़ा आस्था का सैलाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर पूरे भिलाई-दुर्ग शहर में भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। शहर का प्रमुख आस्था केंद्र सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर आज भक्तों की अपार भीड़ से पट गया है। आधी रात 12 बजे से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जो सुबह होते-होते विशाल जनसमूह में बदल गया।

रात से ही शुरू हुआ दर्शन का सिलसिला

मंदिर में रात 12 बजे से ही भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। जहां आम दिनों में 15-20 मिनट में दर्शन हो जाते हैं, वहीं आज श्रद्धालुओं को करीब 2 घंटे तक लंबी लाइन में लगकर भगवान हनुमान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। मंदिर परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

भक्ति में डूबा शहर, चहूं ओर जयकारे

"जय श्री राम" और "जय हनुमान" के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज रहा है। सुबह से ही विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, हवन और हनुमान चालीसा पाठ का क्रम जारी है। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन से भक्तिमय माहौल और भी गहरा हो गया है।

गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कतारों के ऊपर बड़े-बड़े पंडाल लगाए गए हैं। पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है साथ ही श्रद्धालुओं के बैठने और विश्राम की सुविधा का ध्यान रखा गया है।

विशाल भंडारे का आयोजन

मंदिर समिति द्वारा विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा मंदिर के बाहर भी विभिन्न सामाजिक और धार्मिक समितियों द्वारा अलग-अलग पंडाल लगाकर भक्तों के लिए भोजन, शरबत और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सुबह से उमड़ी भीड़, शाम तक और बढ़ने के आसार

सुबह से ही भारी भीड़ देखने को मिल रही है और खबर लिखे जाने तक श्रद्धालुओं का तांता लगातार जारी है। प्रशासन और मंदिर समिति को उम्मीद है कि शाम तक यह भीड़ और बढ़ेगी और देर रात तक दर्शन का सिलसिला जारी रहेगा।

आज सेक्टर-9 हनुमान मंदिर में आस्था, सेवा और भक्ति का ऐसा महासंगम देखने को मिल रहा है, जिसने पूरे भिलाई को भगवामय कर दिया है।

निगम की बड़ी कार्यवाही, हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र से हटाया गया अवैध कब्जा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहर के आवागमन को सुगम बनाने और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान के तहत आज वार्ड क्रमांक 24, हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की गई। उड़नदस्ता प्रभारी एवं सहायक राजस्व अधिकारी की उपस्थिति में निगम के तोड़फोड़ दस्ते ने हनुमान मंदिर के पास स्थित 'अर्बन चाय' ठेला सहित सड़क किनारे किए गए अन्य अवैध कब्जों को हटाया।

कार्यवाही का मुख्य कारण मुख्य मार्ग और सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर व्यवसाय संचालन करना, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। यह कार्यवाही उड़न दस्ता प्रभारी विनय शर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी प्रसन्न तिवारी, हरिओम गुप्ता एवं जोन टीम सहित राजस्व कर्मचारियों के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

निगम के तोड़फोड़ दस्ते एवं जोन टीम ने मौके पर पहुँचकर अवैध संरचनाओं और ठेले को जब्त कर मार्ग साफ कराया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों और मुख्य सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद कब्जे न हटाए जाने के कारण यह सख्त कदम उठाना पड़ा।

नगर निगम प्रशासन ने समस्त व्यवसायियों और नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित सीमा के भीतर ही अपना व्यवसाय संचालित करें। भविष्य में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार की निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी ताकि शहर की सुव्यवस्था बनी रहे।

अमित जोगी की मुश्किलें बढ़ीं : जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट का सरेंडर आदेश, 3 सप्ताह की मोहलत

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ आया है। अमित जोगी की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि हाईकोर्ट ने उन्हें सरेंडर करने का आदेश दिया है। गुरुवार, 2 अप्रैल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिविजन बेंच ने अहम फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने के निर्देश दिए।

सीबीआई रिपोर्ट के बाद बदला रुख : मामले में सीबीआई ने करीब 11,000 पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें अमित जोगी के खिलाफ भी आरोप दर्ज किए गए हैं। पहले इस मामले में उन्हें बरी कर दिया गया था, लेकिन अब केस दोबारा खुलने के बाद परिस्थितियां बदलती नजर आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर फिर शुरू हुई सुनवाई : यह मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दोबारा खोला गया है। शीर्ष अदालत ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए प्रकरण को पुनः छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए भेजा था।

2003 में हुई थी सनसनीखेज हत्या : गौरतलब है कि वर्ष 2003 में रायपुर में एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में वर्ष 2007 में 28 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उस समय अमित जोगी को इस मामले में बरी कर दिया गया था।

अब बढ़ी कानूनी चुनौतियां : हाईकोर्ट के ताजा आदेश के बाद यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में अमित जोगी की कानूनी लड़ाई और जटिल हो सकती है। तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर का निर्देश उनके लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस घटनाक्रम पर अब प्रदेश की सियासत और कानूनी हलकों की नजरें टिकी हुई हैं।

जहां नक्सलवाद का था बोलबाला, वहां खेलो का हो रहा उदय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

युवा मामले और खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026' के दौरान बुधवार को रायपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यहां के माहौल को ऊर्जा, आशा और बदलाव से भरपूर बताया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि एथलीटों, स्थानीय समुदाय और इस क्षेत्र के लोगों की ओर से मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है।

देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2,500 से ज्यादा एथलीट अलग-अलग खेलों में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में हिस्सा ले रहे हैं। श्रीमती खडसे ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026, केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को दिखाता है जिसके तहत आदिवासी युवाओं को अपना भविष्य बनाने के लिए एक मंच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह खेल एक नई उम्मीद हैं और यह संकेत कि उनकी काबिलियत को पहचाना जा रहा है और उस पर सबसे ऊंचे स्तर पर निवेश किया जा रहा है।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री ने कहा, "एक समय था जब छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के लिए जाना जाता था, और यहां के लोगों को एक पिछड़ा समुदाय माना जाता था। आज, मुझे लगता है कि इस क्षेत्र के लिए एक नई दिशा खुल रही है। नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है और खेल के माध्यम से, इस धरती के युवा अब अपनी ऊर्जा और क्षमता को सामने ला सकते हैं और देश के लिए खेल सकते हैं।"

खेल राज्य मंत्री ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 को एक ऐतिहासिक पहल बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन, गृह मंत्री अमित शाह (जिन्होंने पूरे देश से नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा की है), कैबिनेट मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और पूरी साई टीम को दिया। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि इन खेलों में हिस्सा लेने वाले कई एथलीट आगे चलकर ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और पदक जीतेंगे।

युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, श्रीमती रक्षा खडसे ने 'अस्मिता लीग' के परिवर्तनकारी प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। इस लीग को 2021 में प्रधानमंत्री मोदी के उस विजन के तहत शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की महिलाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों में लाना और उन्हें एक पहचान व अवसर प्रदान करना है।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री, श्रीमती रक्षा खडसे ने कहा, "खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में, नतीजे जबरदस्त रहे हैं। हॉकी, वेटलिफ्टिंग और फुटबॉल में हिस्सा लेने वाली लगभग 60 से 70 प्रतिशत लड़कियां अस्मिता लीग खेल चुकी हैं और पदक जीत चुकी हैं। इनमें अंजली मुंडा जैसी बेहतरीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। तैराकी में जीते गए सभी पांचों स्वर्ण पदक भी अस्मिता लीग की खिलाड़ियों ने ही हासिल किए हैं। उन्होंने कहा, "हमारा प्रयास जारी है कि हम अस्मिता लीग को और भी निचले स्तर तक यानी के गांवों तक ले जाएं ताकि खेलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ती रहे।"

विश्व के पांच महाद्वीपों में ब्रम्हाकुमारी संस्था दे रही हैं सेवाएं

सिंधी समाज का आध्यात्मिक सम्मेलन पीस ऑडिटोरियम में हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में सिंधी समाज का आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें विशेष छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से ब्रह्माकुमार महेश भाई ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा कर सिंध (वर्तमान पाकिस्तान) से माउंट आबू से विश्व के पांचों महाद्वीपों में ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना सेवाओं से सभी को अवगत कराया।

इस सिंधी समाज के आध्यात्मिक कार्यक्रम में समाज से जुड़े पदाधिकारी तथा सदस्यों ने सह परिवार उपस्थित रह कार्यक्रम का लाभ लिया। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने बताया कि संस्था की वरिष्ठ राजयोगिनी दादियां और दीदियों ने जो इस यज्ञ संस्था की शुरुआत की वह आज जाती बंधन संस्कृति के बंधनों को तोड़कर पूरे विश्व को एक विशाल वट वृक्ष समान वासुदेव कुटुंब के रूप में शीतल छाया प्रदान कर रहा है।

आपने सिंधी समाज को संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय आबू राज पर्वत आने के निमंत्रण दिया, जिसे समाज के पदाधिकारी एवं अन्य सदस्यों ने बड़ी दीदी जी सो परमात्म निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। सिंधी समाज के सदस्यों का डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

जिसके पश्चात संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के जीवन पर आधारित भाग्यविधाता फिल्म दिखाया गया। उपस्थित पदाधिकारियों, ब्रह्माकुमार महेश भाई और राजयोगिनी आशा दीदीजी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन के बारे में विस्तार पूर्वक बताकर इसका अभ्यास कराया।

सरकारी जमीन पर भगवान हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा विवाद गहराया, आज किसान भक्तों की शोभायात्रा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

विधानसभा क्षेत्र के विचारपुर पंडरिया भाठा में निर्माणाधीन किसान हनुमान संकट मोचन मंदिर को लेकर विवाद उभर आया है। प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले तहसील कार्यालय में की गई शिकायत के बाद राजस्व विभाग सक्रिय हो गया है। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पटवारी ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया।

प्राथमिक जांच के दौरान पटवारी ने बताया कि संबंधित भूमि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है। इसी आधार पर निर्माण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है। हालांकि शिकायत किसके द्वारा की गई है, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। मौके पर किसी प्रकार का लिखित नोटिस या औपचारिक कार्रवाई भी सामने नहीं आई।

निरीक्षण की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण और किसान अधिकार संघर्ष समिति के सदस्य बड़ी संख्या में स्थल पर एकत्र हो गए। लोगों ने शिकायतकर्ता की पहचान सार्वजनिक करने की मांग की और प्रशासनिक कार्रवाई पर नाराजगी जताई। समिति ने स्पष्ट किया कि मंदिर निर्माण किसी भी परिस्थिति में नहीं रोका जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं बल्कि क्षेत्र के किसानों की एकजुटता का प्रतीक बन चुका है। ऐसे में निर्माण कार्य को रोकने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सीमेंट फैक्ट्री विवाद से जोड़कर देख रहे लोग

स्थानीय लोगों का एक वर्ग इस पूरे घटनाक्रम को क्षेत्र में प्रस्तावित सीमेंट फैक्ट्री के विरोध से जोड़कर देख रहा है। उनका आरोप है कि मंदिर निर्माण से किसानों में बढ़ रही एकता कुछ लोगों को असहज कर रही है जिसके चलते इस तरह की शिकायत कराई गई है। हालांकि इस संबंध में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पटवारी के अनुसार, उन्हें इस मामले की सूचना मौखिक रूप से वरिष्ठ अधिकारियों से मिली है लेकिन अब तक कोई लिखित निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। मौके पर पंचनामा या अन्य औपचारिक दस्तावेजी प्रक्रिया भी पूरी नहीं की गई है जिससे स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। इधर 2 अप्रैल को प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। क्षेत्र में एक ओर धार्मिक उत्साह बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर विवाद के चलते तनाव का माहौल भी देखा जा रहा है।

'जियो और जीने दो' के संकल्प के साथ टीबी मरीजों को बांटी गई दैनिक उपयोग की सामग्री

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

21 टीबी मरीजों को मिला संबल

भारतीय जैन संघटना के जिलाध्यक्ष अजय जैन की अगुवाई में समाज के सदस्यों ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस दौरान अस्पताल में उपचाराधीन 21 टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार (निक्षय पोषण) वितरित किया गया। अजय जैन ने इस अवसर पर कहा "बीमारी से लड़ने के लिए केवल दवा ही नहीं, बल्कि सही पोषण और सकारात्मकता की भी आवश्यकता होती है। भारतीय जैन संघटना इन मरीजों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती है और समाज की ओर से उन्हें पोषण सहायता उपलब्ध कराकर इस लड़ाई में उनका साथ दे रही है।"

जियो और जीने दो के संकल्प के साथ भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर इस वर्ष सकल जैन श्री संघ, जैन यूथ क्लब और भारतीय जैन संघटना द्वारा सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश की जा रही है। "जियो और जीने दो" के शाश्वत संदेश को आत्मसात करते हुए समाज द्वारा 24 मार्च से 31 मार्च तक सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जिला अस्पताल खैरागढ़ में विभिन्न सेवा कार्य संपन्न हुए।

अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जैन समाज ने एक सराहनीय पहल करते हुए मरीजों को फल वितरण की पारंपरिक पद्धति के स्थान पर 'उपयोगिता किट' प्रदान की। इस किट में मरीजों की सुविधा हेतु 1.5 लीटर शुद्ध पेयजल की बोतल, हैंडवॉश और स्वच्छता सामग्री, दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं। सकल जैन श्री संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बोथरा ने बताया कि, "इस बार हम जन्मकल्याणक को सेवा महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। हमने विचार किया कि फल तो क्षणिक होते हैं, लेकिन दैनिक उपयोग की वस्तुएं मरीजों को अस्पताल में लंबे समय तक काम आएंगी। भगवान महावीर का संदेश मानवता की सेवा है, जिसे हम इन कार्यों के जरिए चरितार्थ करने का प्रयास कर रहे हैं।"

चिकित्सकों का तिलक लगाकर किया अभिनंदन

सेवा भाव के साथ-साथ समाज ने कृतज्ञता का भाव भी प्रदर्शित किया। जिला अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे सभी चिकित्सकों का जैन समाज के सदस्यों ने तिलक लगाकर और किट भेंट कर विशेष सम्मान किया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सक समाज के रक्षक हैं और उनके मनोबल को बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

ज्ञात हो कि यह महोत्सव 24 मार्च से निरंतर जारी है, जिसके तहत रक्त जांच शिविर, रक्तदान शिविर और आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन किए गए। इन आयोजनों के माध्यम से जैन समाज भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के संदेश को धरातल पर उतार रहा है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में सकल जैन श्री संघ, जैन यूथ क्लब और भारतीय जैन संघटना के पदाधिकारी, युवा व महिला विंग के सदस्य और समाज के वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंत्री नेताम ने वर्चुअल रूप से 9 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य सरकार प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई। इसी कड़ी में बलरामपुर जिला अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने जिले को 9 नई एम्बुलेंस को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 08 बेसिक लाइफ सपोर्ट और 01 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं। इस सौगात के साथ ही जिले में 108 एम्बुलेंस की समस्त सेवाएं अब जिले के सभी विकासखंडों और दूरस्थ ग्रामीण वनांचलों तक त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी।

मंत्री रामविचार नेताम ने आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ये एम्बुलेंस केवल वाहन नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि शासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली माताओं, बहनों और बच्चों को आपातकालीन स्थिति में समय पर उपचार मिल सके। मरीजों को गोल्डन ऑवर में चिकित्सा सहायता मिलना जीवन रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है और यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

बलरामपुर जिले के कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए एम्बुलेंस संचालन एजेंसी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। इससे सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिक्रिया समय में निरंतर सुधार होगा, जिससे जरूरतमंदों को त्वरित सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को समय पर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सतत प्रयास किए जाएंगे।

जिले को मिली 9 नई एम्बुलेंस को विभिन्न विकासखंडों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकतानुसार तैनात किया गया है, ताकि पूरे जिले को कवर किया जा सके। नई व्यवस्था के तहत जिला चिकित्सालय बलरामपुर को 2 और वाड्रफनगर को 2 एम्बुलेंस आवंटित की गई हैं। राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी, रामानुजगंज और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सनावल में एक-एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। इस नई व्यवस्था से अब जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों में किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल के समय मरीजों को त्वरित सहायता मिल सकेगी।

इस कार्यक्रम अवसर पर पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर, रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, उपाध्यक्ष श्रीमती बबली देवी सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 3.80 करोड़ रूपए की सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जयनगर-कासापारा में 3.80 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत कार्यप्रारंभ पूजन किया। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से स्वीकृत इस परियोजना के तहत 3.60 किलोमीटर लंबी सड़क का उन्नयन एवं नवीनीकरण किया जाएगा। इस कार्य के लिए शासन द्वारा 380.15 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा और सुगम संपर्क का लाभ मिलेगा।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन और विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें केवल आवागमन को सुगम नहीं बनातीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करती हैं। जयनगर से कासापारा तक बनने वाला यह मार्ग क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर हरीश राजवाड़े, देवधन बिंझिया, अशोक अग्रवाल, रितेश जायसवाल, जनपद सदस्य श्रीमती धनेश्वरी सिरदार, सरपंच श्रीमती राधा सिंह सहित विभागीय अधिकारी कमर्चारी उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका, नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका कोरबा जिले के प्रवास के दौरान कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम ढपढप-बांकीमोंगरा में आयोजित दिव्य श्री हनुमंत कथा एवं 108 दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से भेंट की और उनके सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को सम्मान स्वरूप पाँच हजार रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की। कोरबा प्रवास के दौरान राज्यपाल श्री डेका से कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री ने भी सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कोरबा कलेक्टर कुणाल दुदावत सहित अन्य अधिकारी एवं आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक दूसरे राज्य के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करने का है यह महत्वपूर्ण अवसर – राज्यपाल

140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान – मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि यह अवसर इन राज्यों की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक परंपराओं और विकास यात्रा को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं के माध्यम से आपसी समझ और जुड़ाव को बढ़ाना है जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है।

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में लोकभवन में 7 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित थे। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में राज्यपाल ने मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली एवं दमन दीव, बिहार, राजस्थान और ओडिशा राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव की पर्यटन एवं औद्योगिक विशेषताओं, बिहार के लोगों का अर्थव्यवस्था एवं विकास में योगदान, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत, राजस्थान के लोगों के व्यापारिक उन्नति और शौर्य परंपरा तथा ओडिशा के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बहुत समानताएं हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत बनाते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है। भाषा, वेशभूषा, खान-पान में भले ही हम अलग अलग है लेकिन अनेकता में एकता हमारी देश की विशेषता है। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम इसी भावना को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच रोटी बेटी के संबंध, राजस्थान के व्यापारियों का छत्तीसगढ़ के व्यापार एवं उद्योग की उन्नति में योगदान सहित अन्य राज्यों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत हम लोग विभिन्न राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति से परिचित हो रहे हैं।

समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यों के प्रतिनिधियों ने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर राज्यपाल ने उनका सम्मान किया। इसी तरह राज्यपाल की उप सचिव सुश्री निधि साहू ने देहदान का निर्णय लिया है, जिसकी सराहना करते हुए श्री डेका ने उन्हें भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, अन्य जनप्रतिनिधि, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हर नागरिक तक त्वरित स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना हमारी प्राथमिकता : मंत्री राजवाड़े

सौगात

9 नवीन 108 संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 9 अत्याधुनिक 108 संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला चिकित्सालय सूरजपुर से शुरू की गई यह सेवा अब दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सूरजपुर की बेटी होने के नाते यह मेरे लिए गौरव का क्षण है कि मैं अपने जिलेवासियों को यह जीवनरक्षक सुविधा समर्पित कर रही हूँ।

उन्होंने कहा कि ये एम्बुलेंस केवल वाहन नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकार का उद्देश्य है कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली माताएँ, बहनें और बच्चों को आपातकालीन स्थिति में समय पर उपचार मिल सके और गोल्डन ऑवर में चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने यह भी कहा कि एम्बुलेंस संचालन एजेंसी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सेवाओं की गुणवत्ता एवं प्रतिक्रिया समय में निरंतर सुधार किया जाएगा। उन्होंने स्वयं इन सेवाओं की नियमित निगरानी करने की बात कही, ताकि पारदर्शिता और प्रभावशीलता बनी रहे। जिले में आवंटित 9 एम्बुलेंसों में से 2 को जिला चिकित्सालय सूरजपुर में स्थायी रूप से तैनात किया गया है, जबकि शेष एम्बुलेंसों को विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है, जिससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान राजापारा स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय उत्कल सांस्कृतिक सेवा समिति, रायगढ़ द्वारा आयोजित हाउत्कल दिवस एवं वाषिकोत्सव स्नेह सम्मेलनद्ध में शामिल होने के क्रम में मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने उत्कल समाज द्वारा निर्मित प्रभु जगन्नाथ मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर झारसुगुड़ा विधायक टंकाधर त्रिपाठी, विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर जीवर्धन चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं उत्कल समाज के प्रमुखजन उपस्थित थे।

अवैध खनन के मामले में हाईवा और जेसीबी जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन राजनांदगांव ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई की।

खनिज विभाग की टीम ने ग्राम भरेंगांव, खुटेरी, रवेली, कोटरासरार, अर्जुंगी, भोथली और बाघमार सहित आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान मुरूम और मिट्टी के अवैध उत्खनन व परिवहन के कई मामले सामने आए, जिन पर तत्काल कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के तहत ग्राम खुटेरी निवासी गोविन्द साहू के स्वामित्व वाली हाईवा (सीजी 07 बीएम 2500) को जब्त किया गया। यह वाहन ग्राम सिकोला निवासी चालक टोमन यादव द्वारा अवैध रूप से मुरूम और मिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। इसी तरह ग्राम देवरी निवासी रूपेश साहू के स्वामित्व की जेसीबी (सीजी 24 यू 4031) को भी जब्त किया गया, जिसे ग्राम केवट नवागांव निवासी मोहित कुमार अवैध उत्खनन में उपयोग कर रहा था। दोनों वाहनों को कार्रवाई के बाद थाना सोमनी के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रकरणों में खान एवं खनिज अधिनियम के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए लगातार गश्त और निगरानी जारी रहेगी।

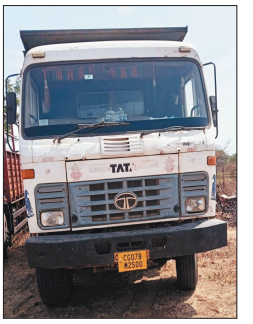

सभी समाजों के सहयोग से ही विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार – मुख्यमंत्री

उत्कल दिवस और वाषिकोत्सव स्नेह सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ के बाबा प्रिदर्शी राम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में उत्कल सांस्कृतिक सेवा समिति द्वारा आयोजित उत्कल दिवस एवं वाषिकोत्सव स्नेह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदे उत्कल जननी के मधुर गायन के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को आत्मीयतापूर्वक संबोधित करते हुए कहा कि वे यहां अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि अपने परिवार के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि रायगढ़ की जनता ने उन्हें 20 वर्षों तक सांसद के रूप में अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है और वही स्नेह एवं अपनापन उन्हें आज भी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने ओडिशा और छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों राज्यों के बीच रोटी-बेटी का अटूट रिश्ता है। उन्होंने कहा कि जशपुर के कुनकुरी से लेकर छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों तक बड़ी संख्या में लोग उड़िया भाषा बोलते हैं। देवभोग-गरियाबंद क्षेत्र में आज भी महाप्रसाद के रूप में भात मिलता है और छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में रथ यात्रा का आयोजन होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज की पत्रिका सुविधा का विमोचन किया, जिसमें समाज के रीति-रिवाज, उपलब्धियां एवं संपर्क विवरण संकलित किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन हेतु 5 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से 8 लाख आवास रिकॉर्ड समय में पूर्ण किए जा चुके हैं। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है, जिससे प्रदेश खुशहाली की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर भगवान रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इस योजना के माध्यम से आम नागरिकों को सुगम एवं व्यवस्थित रूप से तीर्थ दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों के विरुद्ध कठोर कानून पारित किया गया है, जिसमें कड़ी सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इससे अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह एवं जवानों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अब नियद नेल्लानार के तहत बस्तर में सड़कों, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं, जिससे क्षेत्र में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में विभिन्न विभागों में 20 से 25 हजार भर्तियां की गई हैं। चयन मंडल का गठन कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे युवाओं को बिना किसी भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएससी गड़बड़ी की उच्च स्तरीय जांच कराई गई है तथा ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासन में पारदर्शिता लाते हुए भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए सभी समाजों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य वन एवं खनिज संपदा से समृद्ध है और वन उत्पादों के वैल्यू एडिशन के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत बकाया बिजली बिलों के भुगतान हेतु आसान किस्तों का विकल्प उपलब्ध कराया गया है तथा सरचार्ज में राहत या छूट दी जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्कल समाज की 8 प्रतिभाओं को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर झारसुगुड़ा विधायक टंकाधर त्रिपाठी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

कांग्रेस में सवालिया निशान लगाने की होड़ लगी है

पीएम मोदी व अमित शाह के नेतृत्व में देश व छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का सफाया हो जाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि कई दशकों में किसी सरकार के हिस्से में आती है। इस उपलब्धि के कारण ही सरकार का नाम हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो जाता है। हर राज्य का सीएम चाहता है कि उसके समय में कोई ऐतिहासिक उपलब्धि हो ताकि उसका नाम राज्य व देश के इतिहास में दर्ज हो जाए लेकिन बहुत कम सीएम व पीएम ऐसे होते हैं जिनके समय में ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि देश हासिल करता है।ऐसे पीएम नरेंद्र मोदी है, ऐसे गृहमंत्री अमित शाह और ऐसे सीएम विष्णुदेव साय हैं। कोई भी ऐतिहासिक उपलब्धि यूं ही नहीं मिल जाती है, उसके लिए दिन रात काम करना पड़ता है। योजना बनानी पड़ती है, बैठकें लेनी पड़ती है, मानिटरिंग करनी पड़ती है।लक्ष्य तय किए जाते हैं, लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास निरंतर किया जाता है। तब जाकर किसी राज्य व देश के हिस्से में कोई ऐतिहासिक उपलब्धि आती है।

देश व राज्य की ऐतिहासिक उपलब्धि पर जब पूरा देश खुश होता है, राज्य के लोग खुश होते हैं तो विपक्ष ही ऐसा होता है जो खुश नहीं होता है। वह ऐतिहासिक उपलब्धि पर सवालिया निशान लगाता है। उसे यकीन नहीं होता है कि साय सरकार कैसे ऐसा कर सकती है, मोदी सरकार कैसे ऐसा कर सकती है, गृहमंत्री अमित शाह कैसे ऐसा कर सकते हैं। वह खुद यकीन नहीं करती है कि देश व छत्तीसगढ से नक्सलियों का सफाया हो गया है, वह उम्मीद करती है कि जनता सरकार नहीं उसकी बातों पर यकीन करे। सवाल जब पीएम मोदी,गृहमंत्री शाह व सीएम साय का होता है तो राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज,नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत व पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बीच एक होड़ शुरू हो जाती है इनकी सबसे कटु आलोचना कौन कर सकता है। केंद्र व राज्य सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि पर सबसे ज्यादा सवालिया निशान कौन लगा सकता है।

यहां के तमाम बड़े कांग्रेस नेताओं की मजबूरी भी है कि पीएम मोदी, अमित शाह व सीएम साय की आलोचना करना क्योंकि कोई नेता आलोचना नहीं करता है तो उसकी शिकायत दिल्ली पहुंच जाती है कि कांग्रेस के नेता भाजपा सरकार की आलोचना नहीं करते हैं। यह आलोचना नहीं करते हैं, मैं आलोचना करता हूं, इसलिए सबसे बड़ा नेता मुझे माना जाए। जो आलोचना नहीं करता है उसे बड़ा नेता न माना जाए। उसे बड़ा पद न दिया जाए,उसे बड़े पद से हटा दिया जाए।कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज कहते है कि रमन सिंह के समय नक्सलवाद तीन ब्लाक से 14 जिलों तक पहुंच गया था जबकि कांग्रेस सरकार के समय नक्सल गतिविधियों में कमी आई थी। नेता प्रतिपक्ष ड़ॉ.चरणदास महंत कहते हैं कि अगर सरकार के अनुसार नक्सलवाद वाकई समाप्त हो गया है तो राज्य के जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा हटाई जाएगी,क्या सत्ता मे बैठे बड़े नेता अब बस्तर का दौरा सड़क मार्ग से करेंगे। उनका मानता है कि सरकार के दावे हवाई हैं। इससे जनता का गुमराह नहीं किया जा सकता। जब तक जमीन पर स्थिति नहीं बदलती तब तक नक्सलवाद के सफाए पर सवाल उठते रहेंगे।

वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल तो संसद में गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर के नक्सलवाद के मुक्त हो जाने की घोषणा से सबसे ज्यादा बौखला गए हैं क्योंकि संसद में शाह ने कहा है कि अगस्त 2019 में नक्सलवाद विरोधी रणनीति तैयार हो गई थी पर छत्तीसगढ़ की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नक्सलियों को संरक्षण दिया।जिससे अभियान में देरी हुई। शाह ने संसद में चुनौती भी दी कि भूपेश बघेल को पूछो, प्रूफ दूं क्या।हां बोलेंगे तो फंस जाएंगे। राज्य में सीएम साय ने भी कहा है कि भूपेश सरकार के समय तो न ही स्पष्ट रणनीति दिखी, न ही दृढ़ इच्छाशक्ति जिसके कारण नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई कमजोर पड़ी। जब राज्य में नक्सलवाद एक तरह से समाप्त हो गया है तो उसका श्रेय भाजपा को ही मिलेगा और उनको श्रेय मिलने का मतलब है कांग्रेस ने तो नक्सलवाद का सफाया नहीं किया है। यानी नक्सलवाद के सफाए में कांग्रेस असफल और भाजपा सफल है।इसका मतलब तो यह हुआ कि जनता के लिए कांग्रेस से ज्यादा अच्छा काम करने वाली तो भाजपा है।

राज्य में कोई सरकार कोई ऐतिहासिक काम करती है तो उसका जनता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जनता मानती है कि यह सरकार अच्छा काम करती है, यानी इसे चुनाव में जीता दिया जाए तो यह और अच्छा काम करेगी। अच्छा काम करने वाली सरकारे सत्ता में लौटती रही हैं। इसलिए कांग्रेस परेशान है और वह जनता को यह बताने का प्रयास कर रही है, नक्सलवाद समाप्त नहीं हुआ है, वह भाजपा सरकार की उपलब्धि पर सवालिया निशान लगा रही है कि भाजपा सरकार जो कह रही है,वह सच नहीं है। कांग्रेस नेता खुद नक्सलवाद समाप्त नहीं कर सके इसका पछतावा उनको नहीं है, उनको इस बात का गुस्सा है कि भाजपा सरकार के समय ऐसा हो गया है तो इसका राजनीतिक लाभ अगले चुनाव में भाजपा को होगा और नुकसान कांग्रेस को होगा।

संकल्प के साथ राष्ट्रीय समस्या नक्सलवाद का अंत

प्रमोद भार्गव

भारत में संकट बन चुकी राष्ट्रीय समस्याओं का समय-सीमा में अंत होना दुर्लभ है, लेकिन केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने यह कार्य करके दिखा दिया। गृहमंत्री अमित शाह लगातार कहते रहे हैं कि माओवादी नक्सलवाद का अंत 31 मार्च 2026 तक कर लिया जाएगा। उन्होंने यह करके दिखा भी दिया। वरना नक्सलवाद को संरक्षण दे रहे नगरीय तथाकथित बौद्धिक इस सशस्त्र खूनी क्रांति को राष्ट्र विरोधी संघर्ष मानते ही नहीं थे।

बस्तर में 25 लाख के इनामी नक्सली सरगना पापा राव ने अपने 17 साथियों के साथ जिस तरह से हथियारों सहित समर्पण किया, उससे देष के सबसे बड़े गढ़ में माओवादी हिंसा का निर्णायक अंत हो गया। क्योंकि इस क्षेत्र का यही अंतिम सरगना शेष बचा था। नक्सलवाद का अंत ठीक उसी तरह हुआ है, जिस तरह प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के कायर्काल में पंजाब के उग्रवाद का अंत हुआ था। इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छा शक्ति को जाता है। अब पूरा देश मान रहा हैं कि भारत में राजनीतिक नेतृत्व दृढ़ हो तो किसी भी समस्या का निपटारा किया जा सकता है।

क्योंकि देश की जिस तरह की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां हैं और सशक्त प्रशासनिक ढांचा है, उसके चलते किसी भी प्रकार की सशस्त्र क्रांति का उग्रवाद और नक्सलवाद की तरह अंत होना निश्चित है। कश्मीर का पाक प्रायोजित आतंकवाद का भी यही हश्र होना है। छत्तीसगढ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्श माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था।

यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। इसलिए अमित शाह ने लोकसभा में नक्सल मुक्त भारत मुद्दे पर चली चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि एक समय 12 राज्य लाल आतंक का गलियारा बन गए थे।

कानून व्यवस्था नहीं थी। देश में अब नक्सलवाद खत्म हो गया है। शाह ने बताया कि इस दौरान 706 नक्सली मारे गए, 4800 ने समर्पण किया हैं और 2000 गिरफ्तार हुए हैं। इस समस्या के परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस को घेरते हुए शाह ने कहा, 75 साल में 60 साल कांग्रेस ने राज किया। लेकिन उसने आदिवासियों को न घर दिए, न पानी न स्कूल बनाए और न ही बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई। शाह का यह बयान तर्कसंगत है, क्योंकि शहरी वामपंथियों से भयभीत कांग्रेस नेतृत्व नक्सलवाद को कश्मीर के आतंकवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद की तरह बड़ी चुनौती तो मानती थी, लेकिन उससे निपटने की कभी कोई कठोर रणनीति नहीं बनाई। यही कारण रहा कि छत्तीसगढ़ के जगदलपुर इलाके में नक्सली आतंक बेखौफ फलता-फूलता रहा।

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र को कमजोर करने की दृश्टि से सरकार ने बहुआयामी कदम उठाएं। सबसे पहले उन नगरीय बौद्धिकों पर शिकंजा कसा, जो इन्हें राष्ट्रविरोधी वामपंथी वैचारिक खुराक देते थे। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों को आधुनिक हथियार एवं यांत्रिक सुविधाएं देकर इन्हें सशक्त बनाया। कुछ कानून शिथिल करके नक्सलवाद को खत्म करने का अभियान छेड़ दिया। इसका परिणाम निकला कि एक के बाद एक खून की इबारत लिखने वाले नक्सली मारे जाने लगे। जो नक्सली समर्पण के लिए तैयार हुए उन्हें समर्पण का अवसर और समझौते में बताई गई शर्तों पालन करने का भरोसा दिया।

नतीजतन इसके पहले तक गुप्तचर एजेंसियां नक्सलियों का सुराग लगाने में असफल रहती थीं, उन्हें नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद भरोसे की सूचनाएं मिलने लगीं। इस रणनीति के बाद से सैन्यबलों को सटीक सूचनाएं मिलीं और वे नक्सलियों को निशाना बनाने में लगातार कामयाब होने लगे। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर एजेंसियों को खबर देने लगे।

दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित थे। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की रक्तरंजित मुहिम जारी रखनी है।

सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई।

इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में असफल रहीं। दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था।

यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोले हुए था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते थे।

इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता था, उसकी बोलती बंद कर दी जाती थी। हालांकि तत्काल तो इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगता दिखाई दे रहा है, लेकिन सरकार को ध्यान रखना होगा कि नक्सलियों के जो भी नगरीय बौद्धिक समर्थक हैं, उनके तार देश-विदेश में उन नक्सल समर्थक वामपंथियों से जुड़े हैं, जो माओवादियों को वैचारिक खुराक, धन और हथियार उपलब्ध कराते रहे हैं। सरकार की सतर्कता कम होती दिखाई देगी तो ये वामपंथी हताश एवं निराश माओवादियों को सिर उठाने के संसाधन फिर से देने लग जाएंगे।

हर घर नल-जल से बिराजपाली के ग्रामीणों को कठिनाईयों से मिली निजात

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद जिले के विकासखंड पिथौरा अंतर्गत ग्राम बिराजपाली में आज हर घर जल की उपलब्धता ग्रामीणजनों के जीवन में खुशियां लेकर आई है। ग्रामीणजन बताते है कि जहां कभी ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप या दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब हर घर जल योजना अंतर्गत हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। ग्राम बिराजपाली में 21 फरवरी 2026 को हर घर जल का सफल प्रमाणीकरण किया गया।

योजना के अंतर्गत ग्राम के कुल 182 घरों को नल कनेक्शन प्रदान किया गया है, जिससे प्रत्येक परिवार को घर पर ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। जल आपूर्ति के सुचारू संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम जल समिति का गठन किया गया है, जो प्रत्येक परिवार से 60 रुपये प्रतिमाह जलकर के रूप में संग्रह कर योजना की स्थिरता एवं निरंतरता सुनिश्चित कर रही है।

ग्राम में जलापूर्ति के लिए 94.27 लाख रुपये की लागत से 40 किलोलीटर क्षमता की ओवरहेड टंकी का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 2270 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है, जिसके माध्यम से सभी घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा ग्राम में 13 हैंडपंप एवं 3 पावर पंप भी उपलब्ध हैं, जो जल स्रोतों को सुदृढ़ बनाते हैं। इस उपलब्धि में ग्राम के सरपंच एतराम साहू एवं सचिव श्रीमती पुष्पलता चौहान की भूमिका रही। उनके नेतृत्व, सतत प्रयासों तथा ग्रामवासियों के सहयोग से यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सका।

इस योजना से लाभान्वित हितग्राही श्याम बाई बताती हैं कि अब उन्हें पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। यह सुविधा उनके दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आई है।

जनमन से मिली मदद और जीवन में आए सामाजिक बदलाव से खुश है बिफइया बाई

नई दृष्टिबिंदु / कोरिया

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में कुछ ऐसी योजनाएं हैं जिन्होंने हितग्राहियों तक मदद पहुंचाकर उनके जीवन में बदलाव ला दिया है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वंचित तबके के लिए लागू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से ग्राम्य परिवेश में बड़ा सकारात्मक बदलाव आ रहा है। आम नागरिकों के जीवन की सहूलियतें बढ़ रही हैं और कुछ सकारात्मक विचारधारा के हितग्राहियों ने ग्रामीण जनजीवन में अपनी मेहनत से नई उर्जा जगाने का काम किया है।

लाभार्थी होने से पहले

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत हितग्राही बनने के पहले अपने कच्चे मकान में रहने वाली बिफइया बाई पति धरमसाय का जीवन ठीक उसी तरह संकट और अभाव से ग्रस्त हुआ करता था जैसे आम आदिवासी परिवार हुआ करता है। जिसके पास कहने को मात्र कुछ भूमि और एक कच्चा जर्जर मकान हो जिसे अपने आज से ज्यादा कल की चिंता परेशान करती हो। मात्र दो सदस्यों का यह परिवार पूरी तरह से अकुशल मजदूरी पर आश्रित होकर अपना जीवन यापन कर रहा है ऐसे में पक्के मकान का सपना इनके जीवन में एक सपना ही था। इस परिवार को भी हर मौसम में संकट और परेशानियों से जूझना होता था। जिसमें बारिश और ठंड का मौसम बेहद संकट भरा होता था।

आवास ने बदली जिंदगी

कोरिया जिले के जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गढ़तर में गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान एक हितग्राही के तौर पर बिफईया बाई को प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का लाभ मिला। पति पत्नी ने पूरे उत्साह से जल्द अपने पक्के आवास का निर्माण कार्य पूरा किया। अब उस आवास में चैन की रोटी खाते हुए बिफईया बाई अपने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देकर खुशहाल जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

आत्मसंतोष के साथ सामाजिक समृद्धि

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत दो लाख रूपए की मदद से बने इस सुरक्षित और स्वच्छ आवास में रहने से इस परिवार को खुशहाली और सुकून दोनों साथ मिल रहा है। वहीं वंचित वर्ग के इस परिवार में आत्मसंतोष के साथ एक बेहतर वातावरण बनकर तैयार हुआ है। मौसम की मार से दूर होकर इस परिवार में सामाजिक संतोष का उत्साह मिल रहा है। यह आवास केवल ईंट गारे की एक संरचना ना होकर इस परिवार के लिए एक जीवंत सपना है।

पता नहीं आत्मनिर्भर भारत कब बनेगा

अजीत द्विवेदी

दस साल हो गए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सात फरवरी 2016 को ओडिशा के पारादीप में भारत की सबसे बड़ी पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन यानी आईओसी की एक रिफाइनरी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही थी। उन्होंने उस समय एक लक्ष्य भी तय किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2022 तक भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए विदेशी निर्भरता को 10 फीसदी तक कम करेगा। उस समय भारत 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता था।

आज 10 साल बाद भारत का कच्चे तेल का आयात 85 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी जहां दस फीसदी आयात कम होना था वहां पांच फीसदी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने आयात पर निर्भरता 10 फीसदी घटाने के लक्ष्य के साथ साथ यह भी कहा था कि ऊर्जा जरुरतों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने चार क्षेत्र बताए थे, जहां काम किया जाना था। इसमें इथेनॉल मिश्रण, इलेक्ट्रिक गाडि ?ों को बढ़ावा देने, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ाना और तेल, गैस आदि की खोज को प्रोत्साहित करना शामिल था।

सोचें, 10 साल पहले ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात प्रधानमंत्री के मुंह से सुनना कितना अच्छा लगा होगा! उसमें भी तात्कालिक लक्ष्य आयात में 10 फीसदी की कमी का रखा गया था। एक ब्लूप्रिंट भी पेश किया गया। लेकिन 10 साल के बाद देश कहां पहुंचा? आज स्थिति यह है कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर पहले से ज्यादा निर्भर हो गया है। ऐसा नहीं कि सिर्फ तेल के मामले में भारत की निर्भरता बढ़ी है। हकीकत यह है कि जिस नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने का संकल्प किया गया था उनके लिए भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर है। इलेक्ट्रिक गाडि ?ों को बढ़ावा देना है पर उसकी लिए बैटरी और दूसरी कई तकनीकी चीजें चीन से आएंगी। इसी तरह नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का मामला है तो उसके लिए भी सोलर प्लेट्स में लगने वाले कल पुर्जे और दूसरे उपकरण चीन से आएंगे। सोचें, हम तेल के साथ साथ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं।

ऐसा नहीं है कि 10 साल में इन क्षेत्रों में कोई काम नहीं हुआ। लेकिन थोड़े से काम होने से तो देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बन जाएगा? जब प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल आयात में 10 फीसदी की कमी की जाएगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की ओर बढ़ा जाएगा तो निश्चित रूप से उनके दिमाग में कोई योजना होगी, लंबे समय की कोई प्लानिंग होगी! फिर किसने उनको उस योजना पर काम नहीं करने दिया? ऐसा तो नहीं हो सकता है कि आत्मनिर्भरता की योजना के नाम पर थोड़ा सा उत्पादन बढ़ाने की योजना हो? जब इतनी बड़ी घोषणा की जाती है तो उसे पूरा करने के लिए उतना ही बड़ा प्रयास करना होता है। उस प्रयास में स्पष्ट कमी दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि समय समय पर इस तरह की बातें करके प्रधानमंत्री ने लोगों को भरोसा तो दिया कि वे देश की समस्या को समझ रहे हैं और उसका समाधान करना चाहते हैं। लेकिन समाधान की दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। उन्होंने 2016 के बाद तेल आयात कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात अनेक बार कही। लेकिन सवाल है कि क्या वे देख नहीं रहे थे कि उनकी बातों या दावों में और देश की वास्तविकता में कितना अंतर है?

आज जब संकट देश के सामने आया तो सबका ध्यान इस वास्तविकता की ओर गया है। ईरान में जंग शुरू हुए 12 दिन हुए हैं और भारत में हाहाकार मचा है। भारत सरकार को आवश्यक वस्तु अधिनियम यानी एस्मा लागू करना पड़ा है। हालांकि रसोई गैस का मामला कालाबाजारी का भी है। लेकिन यह भी सही है कि किल्लत बढ़ रही है क्योंकि भारत अपनी एलपीजी की जरुरतों का 80 फीसदी से ज्यादा खाड़ी के देशों से आयात करता है और उसके भंडारण की भी वैसी व्यवस्था देश में नहीं है, जैसी कच्चे तेल के लिए है। इसलिए संकट तो है। तभी देश भर में होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं और सरकार को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति के नियम बनाने पड़े हैं। सरकार ने घरेलू आवंटन को सौ फीसदी रखने को कहा है लेकिन उद्योगों और व्यावसायिक संस्थाओं के आवंटन में 20 से 30 फीसदी की कटौती हुई है। एलपीजी के अलावा तेल का संकट भी है तभी विमानन कंपनियों ने किराया बढ़ाना शुरू कर दिया है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति कम होने से उर्वरक से लेकर प्लास्टिक उद्योग तक करीब 75 उद्योग हैं, जहां असर हुआ है। उर्वरक के उत्पादन पर असर होगा तो अंततः उससे खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होगी।

ऊर्जा के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ? की घोषणा के 10 साल हुए हैं तो 'आत्मनिर्भर भारत अभियानइ के भी छह साल होने जा रहे हैं। कोरोना महामारी के बीच 12 मई 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान की शुरुआत की थी। सरकार की ओर से 20 लाख करोड़ रुपए के एक राहत पैकेज की घोषणा भी हुई थी। हालांकि वह पूरी तरह से क्रेडिट गारंटी की योजना थी। किसी को मदद के तौर पर इसमें से एक रुपया नहीं मिला, बल्कि सबको कर्ज देने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन वह अलग कहानी है।

'आत्मनिर्भर भारत अभियानइ के तहत तय किया गया कि भारत में बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा, युवा शक्ति का अधिकतम इस्तेमाल होगा, देश की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ेगा, तकनीक के क्षेत्र में देश को बेहतर बनाया जाएगा और मांग को पूरा करना की आत्मनिर्भर व्यवस्था बनेगी। लेकिन छह साल के बाद कोई नया क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें आत्मनिर्भरता बनी है। जब आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा हुई थी लगभग उसी समय भारत ने चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को रोकने के लिए एक नियम बनाया था। अब उस नियम में ढील दे दी गई है। ऐसा लग रहा था कि चीन से दूरी बना कर भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा लेकिन छह साल के बाद भारत फिर उसी रास्ते पर लौटा है। ध्यान रहे चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए के करीब है। भारत अगर तेल और ऊर्जा जरुरतों के लिए खाड़ी देशों या रूस, अमेरिका पर निर्भर है तो फार्मा से लेकर फार्म सेक्टर तक और ईवी से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत तक और रोजमर्रा की जरुरत की चीजों के लिए चीन पर निर्भर है। पता नहीं आत्मनिर्भर भारत कब बनेगा अभी तो निर्भरता कम होती भी नहीं दिख रही है।

संकट कटे मिटे सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जन्मोत्सव धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे। शिव परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं।

उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय–

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
- यदि शनि दोष से पीड़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा
उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति
हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबलः।
रामेष्टः फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रमः॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशनः।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मनः।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च यः पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमान जी के 12 अत्यंत शुभ और मांगलिक नाम

बजरंगबली के 12 नाम का स्मरण करने से ना सिर्फ उम्र में वृद्धि होती है बल्कि समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति भी होती है। 12 नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश-पाताल से रक्षा करते हैं। यह नाम व्यक्ति को मनचाही सफलता देते हैं। प्रस्तुत है बजरंग बली के 12 चमत्कारी नाम :

- हनुमान
- अंजनीसुत
- वायुपुत्र
- महाबल।
- रामेष्ठ
- फाल्गुण सखा
- पिंगाक्षा।
- अमित विक्रम
- उदधिक्रमण।
- सीता शोक विनाशन
- लक्ष्मण प्राणदाता।
- दशग्रीव दर्पहा।

12 नाम की अलौकिक महिमा

- प्रातः काल सो कर उठते ही जिस अवस्था में भी हो बारह नामों को 11 बार लेनेवाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- नित्य नियम के समय नाम लेने से इष्ट की प्राप्ति होती है।
- दोपहर में नाम लेनेवाला व्यक्ति धनवान होता है। दोपहर संध्या के समय नाम लेनेवाला व्यक्ति पारिवारिक सुखों से तृप्त होता है।
- रात्रि को सोते समय नाम लेनेवाले व्यक्ति की शत्रु से जीत होती है।
- उपरोक्त समय के अतिरिक्त इन बारह नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश पाताल से रक्षा करते हैं।
- लाल स्याही से मंगलवार को भोजपत्र पर ये बारह नाम लिखकर मंगलवार के दिन ही ताबीज बांधने से कभी सिरदर्द नहीं होता। गले या बाजू में तांबे का ताबीज ज्यादा उत्तम है। भोजपत्र पर लिखने के काम आनेवाला पेन नया होना चाहिए।

हनुमान जयंती कब है? सही तारीख पूजा विधि और मंत्र

हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। साथ ही हनुमानजी अपने भक्तों के सारे संकट हर लेते है।

हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का मनाया जाता है। हालांकि, चैत्र मास में आने वाली हनुमान जयंती मुख्य रुप से दक्षिण भारत में मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन अंजनी पुत्र हनुमानजी का प्राकट्य हुआ था। हनुमानजी को भगवान शिव का ही अंश माना जाता है और वह भगवान शिव के रुद्र अवतार में से एक है। हनुमान जी के संकट हरण भई कहा जाता है। जो व्यक्ति सच्ची श्रद्धा के साथ भगवान शिव की पूजा करता है। उनकी उपासना करता है भगवान उसके सारे कष्ट दूर करते हैं। इस बार हनुमान जयंती की तारीख को लेकर थोड़ा कंफ्यूजन भी है। दरअसल, पूर्णिमा तिथि दो दिन रहने के कारण ऐसा हुआ है।

हनुमान जयंती 2026 कब है

पंचांग की गणना के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा तिथि का आरंभ 1 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 2 मिनट पर होगा और पूर्णिमा तिथि का समापन 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होगा। सूर्योदय व्यापनी तिथि 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होने के कारण हनुमान जयंती का पर्व 2 अप्रैल को ही मनाया जाएगी।

हनुमान जयंती पूजा विधि

- हनुमान जयंती के दिन सुबह जल्दी उठे और स्नान करके लाल या नारंगी रंग के वस्त्र धारण करें।
- इसके बाद हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें।
- अब पूजा के लिए लकड़ी की चौकी पर सफेद रंग का कपड़ा बिछाएं और हनुमान जी की प्रतिमा उसपर स्थापित करें।
- अब हनुमान जी के सामने घी का दीपक जलाएं।
- हनुमान जी को लाल सिंदूर, चंदन, चमेली का तेल अर्पित करें। मान्यता है कि इस दिन चमेली का तेल अर्पित करें।
- ऐसा माना जाता है कि बजरंगबली को चोला आर्पित करने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। इसलिए इस दिन चोला जरूर चढ़ाएं।
- पंचामृत से हनुमान जी को स्नान कराने के बाद उन्हें लड्डू का भोग लगाएं।
- इसके बाद हनुमान जी के मंत्रों का जप करें, ओम हं हनुमते नमः इस मंत्र का कम से कम 108 बार जप करें। साथ ही इसके अलावा ओम हं हनुमते रुद्रात्मकायं हुं फट् इस मंत्र का जप भी आप कर सकते हैं। हनुमान जी के गायत्री मंत्र का जप भी आप कर सकते हैं ओम आंजनेय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनुमत प्रचोदयात। मान्यता है कि इस मंत्र का जप करने से साहस में वृद्धि होती है।
- अब हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ जरुर करें।
- अंत में हनुमान जी की आरती करके सभी को प्रसाद दें।

बजरंगबली को चढ़ाएं मोगरे का फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाना अत्यंत शुभ और फलदायक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मोगरे का फूल पवित्रता, शांति और भक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी को विशेष रूप से प्रिय होता है। मोगरे के सफेद फूलों की सौम्यता और सुगंध वातावरण को शुद्ध करती है और पूजा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक बल की प्राप्ति होती है। साथ ही, यह ग्रह दोषों को शांत करने में भी सहायक माना जाता है, विशेष रूप से शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने में। ऐसा भी माना जाता है कि मोगरे के फूल चढ़ाने से हनुमान जी शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसलिए, हनुमान जन्मोत्सव पर मोगरे के फूलों से हनुमान जी का श्रृंगार करना अत्यंत शुभ फल देने वाला होता है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गेंदे के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर हनुमान जी को गेंदे का फूल अर्पित करना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गेंदे का फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला और वातावरण को शुद्ध करने वाला होता है, जो कि हनुमान जी की उपासना में विशेष महत्व रखता है। विशेष रूप से पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूल हनुमान जी को अत्यंत प्रिय हैं, क्योंकि ये ऊर्जा, उत्साह और शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं जो स्वयं हनुमान जी के स्वरूप से मेल खाते हैं।

गेंदे के फूल चढ़ाने से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, शत्रुओं पर विजय मिलती है और साहस तथा आत्मबल में वृद्धि होती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि यदि कोई व्यक्ति मंगलवार या हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा पूर्वक हनुमान जी को गेंदे के फूल चढ़ाता है, तो उसकी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती हैं और उसे विशेष रूप से शनि दोष, भय और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गुलाब के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को गुलाब का फूल चढ़ाना बेहद शुभ और फलदायक माना जाता है। गुलाब का फूल प्रेम, भक्ति और शक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी की आराधना में विशेष स्थान रखता है। खासकर लाल गुलाब, जो हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है, उन्हें चढ़ाने से भक्त की सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रकट होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुलाब का फूल चढ़ाने से मन की नकारात्मकता दूर होती है, आत्मबल में वृद्धि होती है और व्यक्ति के अंदर साहस एवं स्थिरता का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि गुलाब का फूल हनुमान जी को प्रसन्न करता है और वे अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही यह उपाय राहु, केतु और शनि जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को भी शांत करने में सहायक होता है। यदि हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा और विश्वास से गुलाब के फूलों से हनुमान जी की पूजा की जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि, सुरक्षा और सफलता के मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाते हैं।

श्री हनुमान पूजन के 10 नियम 10 सावधानियां और सबसे सही तरीका

- हनुमान पूजा में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा स्थल की साफ सफाई अच्छे से कर लें।
- हनुमान पूजा को विशेष मुहूर्त में ही करें या सुबह और शाम को ही करें।
- हनुमान पूजा में उपयोग किए गए फूल लाल रंग के रखें।
- पूजा के के लिए दीपक में जो बाती लगाई जा रही है वह भी लाल सूत (धागे) की होनी चाहिए।
- हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद जरूर अर्पित करें। इसके आलावा चाहें तो केसरिया बूंदी के लड्डू, बेसन के लड्डू, चूरमा, मालपुआ या मलाई मिश्री का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा में आरती के बाद हनुमान चालीसा के अलावा यदि आप बजरंगबाण या सुंदरकाण्ड का पाठ कर रहे हैं तो नियम जान लें।
- हनुमानजी की पूजा के साथ ही माता अंजनी, जानकरी, श्रीराम और लक्ष्मण की पूजा करना भी जरूरी रहता है।
- हनुमान पूजा के दौरान जो दीपक जला रहे हों उसमें चमेली का तेल या शुद्ध घी होना चाहिए।
- सिर्फ एक वस्त्र पहनकर ही उनकी पूजा करें।
- हनुमान मूर्ति या चित्र को लकड़ी के पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर स्थापित करें और खुद कुश के आसन पर बैठकर ही पूजा करें।

हनुमान पूजा की 10 सावधानियां

- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही मांस, मदिरा आदि का सेवन करना छोड़ दें।
- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही ब्रह्मचर्य का पालन करना प्रारंभ करें और मन में किसी भी प्रकार का कामुक विचार न रखें।
- हनुमान पूजा के बीच में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो इसका ध्यान रखें।
- यदि घर में सूतककाल चल रहा है तो पूजा न करें।
- हनुमान पूजा में तुलसी, चरणामृत या पंचामृत का उपयोग नहीं करें।
- महिलाएं हनुमानजी को वस्त्र, जनेऊ या चोला अर्पित न करें।
- महिलाओं को महावारी के दौरान पूजा से दूर रहना चाहिए।
- हनुमानजी की किसी भी प्रकार से तांत्रिक पूजा नहीं की जानी चाहिए।
- हनुमानजी का व्रत रख रहे हैं तो नमक, मिर्च और अनाज के सेवन से बचें।
- हनुमानजी को अर्पित किए गए भोग या प्रसाद शुद्ध घी में बने हुए होना चाहिए।

चैत्र माह की शुक्ल पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जन्म उत्सव पर हनुमानजी की पूजा कर रहे हैं जो जान लें 10 नियम और 10 सावधानियां।

टैलेंट और पॉपुलैरिटी दोनों जरूरी, अच्छे एक्टर्स की हमेशा रहेगी डिमांड

डिजिटल दौर में मनोरंजन की दुनिया तेजी से बदल रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण अब फिल्मों और वेब शोज में इन्फ्लुएंसर्स की एंट्री भी बढ़ती जा रही है। कई बड़े प्रोजेक्ट्स में ऐसे चेहरे नजर आ रहे हैं, जो पहले सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित थे। ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या इससे प्रोफेशनल और ट्रेनिंग प्राप्त एक्टर्स के मौके कम हो जाएंगे। इसी मुद्दे पर टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हितेन तेजवानी ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपनी राय रखी है। हितेन तेजवानी ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इन्फ्लुएंसर्स एक्टर्स की जगह ले सकते हैं। अगर किसी किरदार के लिए मजबूत अभिनय की जरूरत होगी तो मेकर्स उसी कलाकार को चुनेंगे जो उस रोल के साथ न्याय कर सके। एक्टिंग एक स्किल है, जिसे सीखना और समझना जरूरी होता है, और यह हर किसी के बस की बात नहीं होती।'' हितेन ने फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझाते हुए कहा, ''शूटिंग के दौरान समय की काफी कमी होती है। ऐसे में मेकर्स को ऐसे कलाकारों की जरूरत होती है, जो कम समय में बेहतर परफॉर्म कर सकें। अगर कोई प्रोजेक्ट गहरी और दमदार कहानी पर आधारित है तो उसमें अनुभवी और टैलेंटेड एक्टर्स को ही प्राथमिकता दी जाती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी प्रोजेक्ट में काम करना या न करना कलाकार के अपने फैसले पर भी निर्भर करता है। हर एक्टर अपनी पसंद और स्क्रिप्ट के आधार पर प्रोजेक्ट चुनता है, इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि कोई एक वर्ग दूसरे का काम पूरी तरह छीन लेगा।''

हितेन ने कहा, ''इंडस्ट्री में दोनों का अपना महत्व है। अगर किसी प्रोजेक्ट में एक पॉपुलर चेहरा होता है तो उससे फिल्म या शो को ज्यादा लोगों तक पहुंचने में मदद मिलती है, लेकिन इसके साथ-साथ अच्छे और अनुभवी एक्टर्स का होना भी उतना ही जरूरी है, जो कहानी को मजबूत बना सकें।'' उन्होंने खासतौर पर थिएटर और एक्टिंग बैकग्राउंड से आने वाले कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''ऐसे कलाकार अपने अनुभव और समझ से किरदार में गहराई और असलियत लेकर आते हैं, जिससे कहानी ज्यादा प्रभावशाली बनती है।''

संयुक्ता ने बताया किस एक्टर के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी?

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

धनुष को बताया शानदार एक्टर

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है।

अपने काम में मस्त रहते हैं धनुष

'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

ऐसा रहा संयुक्ता का करियर

संयुक्ता के करियर की बात करें तो उन्होंने मलयालम फिल्म 'पॉपकॉर्न' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कल्कि (2019), एडक्कड़ बटालियन 06 (2019), भीमला नायक (2022), कडुवा (2022), बिम्बिसारा (2022), गालीपाटा 2 (2022), वाथी (2023) और विरुपाक्षा (2023) जैसी कमर्शियल रूप से सफल फिल्मों में काम किया। संयुक्ता आखिरी बार 2025 में रिलीज हुई 'अखंडा 2 : थांडवम' और 'नारी नारी नादुमा मुरारी' में नजर आई थीं।

'मातृभूमि' के बाद अब मेगा एक्शन अवतार में दिखेंगे सलमान, अगली फिल्म की तैयारी शुरू

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है। फिलहाल, टीम ने रिलीज की तारीख तय नहीं की है। लेकिन फिल्म के टॉपिक को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं। लेकिन इन सब के बीच उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अब अपनी अगली बड़ी फिल्म की तैयारी में जुटने वाले हैं।

अप्रैल 2026 से शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान अप्रैल 2026 से निर्माता दिल राजू और डायरेक्टर वामशी पैडिपल्ली के साथ अपनी नई एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। यह फिल्म एक बड़े बजट की कमर्शियल एंटरटेनर बताई जा रही है, जिसमें एक्शन के साथ इमोशन का भी तड़का देखने को मिलेगा।

ईद 2027 पर रिलीज होगी फिल्म!

खास बात यह है कि मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 पर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं, जिससे सलमान खान एक बार फिर अपने फेवरेट फेस्टिव सीजन में बड़े पर्दे पर वापसी कर सकें। फिलहाल फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम तेजी से चल रहा है और शूटिंग अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। यह फिल्म भारत की अलग-अलग लोकेशंस पर शूट की जा सकती है और इसमें बड़े लेवल पर वीएफएक्स का भी इस्तेमाल होगा। बताया जा रहा है कि सलमान खान इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट है।

प्रियदर्शन के साथ काम करना सपने के सच होने जैसा

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है।

बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।'

'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

हिंदी सिनेमा और बंगाली सिनेमा में बनने वाली फिल्मों पर जिशू ने कहा कि दोनों सिनेमा में पैसों का बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, बंगाली सिनेमा में फिल्म 3 करोड़ में बन जाती है और फिल्म को शूट करने में 16-18 या 20 दिन काफी हैं, लेकिन बॉलीवुड में फिल्मों का बजट बहुत ज्यादा होता है। उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी फिल्म का गाना ही 10 दिन में शूट होता है, क्योंकि भव्य सेट बनाए जाते हैं। इतने में बंगाली सिनेमा में आधी फिल्म शूट हो चुकी होती है।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

कभी-कभी बोझ इतना ज्यादा होता है कि लेना पड़ता है ब्रेक, लोग पूछने लगते हैं सवाल

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर जारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नजर आईं दिव्या हाल ही में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी मिली है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमेडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट मैं दर्शकों को दूंगी।'

ब्रेक लेती हूं तो लोग पूछते हैं सब ठीक है?

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नजर आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

विधायक रिकेश ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात, रायपुर-नागपुर हाईवे पर दो नए फ्लाईओवर और कुम्हारी टोल प्लाजा हटाने की रखी मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास और यातायात सुगमीकरण के संबंध में आज महत्वपूर्ण चर्चा की है। विधायक सेन ने श्री गडकरी को वैशाली नगर विधानसभा में संचालित विकास कार्यों की जानकारी दी और क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के निराकरण हेतु प्रस्ताव सौंपा।

हाईवे पर फ्लाईओवर निर्माण की बड़ी मांग

विधायक रिकेश सेन ने रायपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात के भारी दबाव को देखते हुए जनता की सुविधा के लिए दो महत्वपूर्ण फ्लाईओवर के निर्माण का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सुपेला थाना से नेहरू नगर तक और नेहरू नगर से बायपास तक यातायात दबाव कम करने फ्लाईओवर निर्माण की महति आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इन फ्लाईओवर्स के बनने से भिलाई की जनता को रोजाना लगने वाले ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और रायपुर-नागपुर मार्ग पर आवागमन तेज व सुरक्षित हो सकेगा।

कुम्हारी टोल प्लाजा बंद कराने की पहल

मुलाकात के दौरान विधायक सेन ने स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को प्रमुखता से उठाते हुए कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद कराने का विषय भी रखा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि इस टोल प्लाजा के कारण स्थानीय लोगों और नियमित यात्रियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

केंद्रीय मंत्री का सकारात्मक रुख

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विधायक रिकेश सेन द्वारा रखे गए प्रस्तावों को गंभीरता से सुना। श्री गडकरी ने आश्वस्त किया कि वे इन मांगों के संबंध में शीघ्र ही संबंधित विभाग के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करेंगे और जनहित में आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाएंगे।

खास खबर

पुरुष हॉकी फाइनल में ओडिशा का शानदार प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत राजधानी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले गए पुरुष हॉकी फाइनल मुकाबले में ओडिशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मैच की शुरुआत में झारखंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, दूसरे क्वार्टर में ओडिशा ने जोरदार वापसी करते हुए दो गोल दागे और 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। तीसरे क्वार्टर तक मुकाबला रोमांचक बना रहा, लेकिन ओडिशा ने अपना दबदबा कायम रखते हुए स्कोर 3-1 कर लिया। अंतिम क्वार्टर में भी ओडिशा ने एक और गोल कर बढ़त मजबूत की और अंततः मैच 4-1 से जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन ओडिशा की सधी हुई रणनीति और बेहतर तालमेल ने उसे जीत दिलाई। इस जीत के साथ ओडिशा ने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि झारखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

गठुला के दो होटलों से 7 गैस सिलेंडर जप्त

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खाद्य विभाग द्वारा जिले में घरेलू रसोई गैस के अवैध व्यावसायिक उपयोग एवं गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग की टीम द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गठुला स्थित होटल एवं ढाबों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासन द्वारा नागरिकों को रियायती दर पर प्रदाय किए जाने वाले घरेलू सिलेंडरों का उपयोग दो होटलों में व्यावसायिक भोजन पकाने के लिए किया जा रहा था। साथ ही मौके पर व्यावसायिक (कमर्शियल) सिलेंडरों का भी अवैध भंडारण पाया गया। जिसके संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज या बीजक प्रस्तुत नहीं किए जा सके। कार्रवाई करते हुए दोनों प्रतिष्ठानों से कुल 7 गैस सिलेंडर जप्त किए गए है। जिसमें 3 नग घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) एवं 4 नग व्यावसायिक गैस सिलेंडर (19 किलोग्राम) शामिल है।

खाद्य विभाग द्वारा इन दोनों होटलों के विरूद्ध दंडिकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। खाद्य अधिकारी ने बताया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग करना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरनाक है।

गहराने लगा जल संकट : आमनेर, मुसका और पिपरिया तीन नदियों के संगम पर बसा शहर अब हुआ प्यासा

जनता ने पूछा- टैक्स देने के बाद भी बूंद-बूंद पानी को क्यों तरस रहे लोग

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नगर में गहराने लगा जल संकट। गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है और खैरागढ़ नगरपालिका परिषद के कई वार्डों में पेयजल की किल्लत ने विकराल रूप धारण कर लिया है। विडंबना यह है, कि तीन नदियों आमनेर, मुस्का और पिपरिया के संगम पर बसे इस शहर के बाशिंदे आज पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। सरकारी तंत्र की लापरवाही और राजनीतिक खींचतान के बीच वार्ड नंबर 4, गंजीपारा के रहवासी पिछले एक महीने से गंभीर जल संकट झेल रहे हैं।

गंजीपारा : सरकारी नल सूखे, हैंडपंप के भरोसे ग्रामीण

वार्ड नंबर 4 के निवासियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले निजी कनेक्शनों में पानी आना बंद हुआ, जिसके बाद सार्वजनिक नलों से उम्मीद थी, लेकिन पिछले एक माह से वे भी सूखे पड़े हैं। अब हालत यह है कि लोगों को तपती धूप में दूर-दराज के हैंडपंपों या अन्य निजी साधनों से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है।

वार्ड पार्षद सुमित टांडिया ने नगर पालिका प्रशासन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने जल विभाग के अधिकारी मनोज शुक्ला को कई बार स्थिति से अवगत कराया, लेकिन अधिकारियों के 'टाल-मटोल' रवैये के कारण वार्डवासी प्यासे हैं। हालांकि, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पुनीत राम वर्मा ने दावा किया है कि उन्होंने स्वयं वार्ड का दौरा किया है और अगले दो से तीन दिनों के भीतर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

करोड़ों खर्च, फिर भी 'पुरानी पद्धति' का सहारा

शहर की प्यास बुझाने के दावों की पोल 2015-16 की 'जल आवर्धन योजना' खोल रही है। भाजपा शासनकाल में स्वीकृत इस 37 करोड़ रुपये की योजना का उद्देश्य शहर को व्यवस्थित पाइपलाइन से जोड़ना था। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही योजना की दिशा भी बदल गई।

मूल योजना : छिंदारी बांध से पानी लाना प्रस्तावित था

संशोधित योजनाः कांग्रेस सरकार के दौरान 2 करोड़ की लागत से लालपुर एनीकट की ऊंचाई बढ़ाकर पानी स्टोर करने की योजना बनी। नतीजाः यह प्रयोग पूरी तरह विफल रहा। टेस्टिंग के दौरान घरों में गंदा पानी पहुंचा, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हुईं और भारी विरोध के बाद इसे बंद करना पड़ा। आज स्थिति यह है कि करोड़ों की पाइपलाइन बिछने के बाद भी नगर पालिका वापस 'पुरानी पद्धति' (बोरवेल के जरिए टंकियां भरकर सप्लाई) पर लौट आई है।

वार्डवासियों का आक्रोशः "समय पर भरते हैं टैक्स, फिर क्यों झेलें प्यास?"

गंजीपारा के निवासियों का कहना है कि वे नगर पालिका के नियमों का पालन करते हुए समय पर जल कर (वॉटर टैक्स) का भुगतान कर रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ खाली बर्तन और आश्वासन मिल रहे हैं। वार्डवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि "हमारे घरों में सरकारी नल लगे हैं, हम नियमित रूप से टैक्स जमा करते हैं, इसके बावजूद हमें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जब प्रशासन पैसा वसूलने में पीछे नहीं रहता, तो सुविधाएं देने में यह कोताही क्यों?"

नदियों का सूखता अस्तित्व और प्रशासनिक मौन

खैरागढ़ की जीवनदायिनी मानी जाने वाली नदियाँ आमनेर, मुस्का और पिपरिया आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं। कभी साल भर लबालब रहने वाली ये नदियाँ अब केवल मानसून तक सीमित रह गई हैं। रेत के अवैध उत्खनन और जल संरक्षण की ठोस नीति न होने के कारण ये नदियाँ सूख चुकी हैं। स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर पर्यावरणीय संकट पर मूकदर्शक बने हुए हैं।

सियासी दांव-पेंच में पिसी जनता

पेयजल संकट अब पूरी तरह से राजनीतिक फुटबॉल बन चुका है। भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार और विफलता के आरोप लगा रहे हैं। लेकिन धरातल पर किसी के पास समाधान नहीं है। राजनीतिक मंचों और चुनावी वादों में गूंजने वाली 'नगर हित' की बातें प्यासे कंठों तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

"नगर पालिका के अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं। हम एक महीने से पानी ढो रहे हैं। हमारी समस्या का स्थायी समाधान कब होगा, कोई नहीं जानता।"

वार्डवासी, गंजीपारा

महतारी वंदन योजना : हितग्राहियों के लिए बड़ी खबर, 3 अप्रैल से ई-केवाईसी अनिवार्य

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजना में पारदर्शिता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी हितग्राहियों के लिए ई-के उ कराना अनिवार्य कर दिया गया है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी की प्रक्रिया 03 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगी। निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूर्ण न करने पर योजना की राशि रोकी जा सकती है। कहाँ कराएं ई-केवाईसी। हितग्राहियों की सुविधा के लिए विभाग ने क्षेत्रवार केंद्र निर्धारित किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रः संबंधित ग्राम पंचायत भवन में। शहरी क्षेत्रः संबंधित वार्ड कार्यालय में।

नाम मिलान है अनिवार्य

ई-केवाईसी प्रक्रिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि हितग्राही का पंजीकृत नाम और आधार कार्ड में दर्ज नाम पूर्णतः समान होना चाहिए। क्या करें- सभी महिलाएं अपने निकटतम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क कर पंजीकृत नाम का मिलान करें। त्रुटि होने पर: यदि नाम में कोई अंतर या स्पेलिंग की गलती है, तो तत्काल जिला महिला एवं बाल विकास विभाग में सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत करें ताकि संशोधन किया जा सके। जन सरोकार मंच के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता समाजसेवी ने योजना का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए सभी माताएं और बहनें समय रहते अपना ई-केवाईसी पूर्ण करा लें ताकि 12,000 की वार्षिक वित्तीय सहायता बिना किसी बाधा के उनके बैंक खातों में आती रहे।

रमन सिंह के शाह को लिखे पत्र पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का पलटवार

गुटबाजी के कारण रमन सिंह ने अपने पत्र में विष्णुदेव साय, विजय शर्मा का जिक्र नहीं किया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डॉ. रमन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को नक्सलवाद की समाप्ति के लिये उनका यशोगान करते हुए एक पत्र लिखा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रमन सिंह ने नक्सलवाद के लिये तत्कालीन केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। जबकि हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की खेती करने का श्रेय डॉ. रमन सिंह को जाता है, 2003 से 2018 तक वह मुख्यमंत्री थे, उनके मुख्यमंत्री काल में जो नक्सलवाद बस्तर के तीन ब्लाकों तक था, वह फैलकर प्रदेश के 14 जिलो तक पहुंच गया। राजधानी बस्तर तक नक्सलवाद की धमक पहुंच गयी थी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ताडमेटला से लेकर झीरम जैसे दुर्दांत नरसंहार का कलंक जिसके माथे में लगा हुआ है वो रमन सिंह बेशर्मीपूर्वक अपनी जिम्मेदारी तत्कालीन केंद्र सरकार पर थोप रहे थे। जबकि बस्तर के नक्सल क्षेत्रों में तैनात किये गये केन्द्रीय सुरक्षा बल मनमोहन सरकार के समय ही बस्तर आये थे। मोदी सरकार ने एक भी बटालियन की बढ़ोत्तरी नहीं किया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रमन सिंह अपने पत्र में नक्सलवाद समाप्ति के लिये विष्णुदेव साय और विजय शर्मा का जिक्र तक करना भी जरूरी नहीं समझा, ये भारतीय जनता पार्टी की गुटबाजी को दिखाता है। रमन सिंह को भी मालूम है कि साय सरकार झूठा श्रेय ले रही है। नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक रणनीति तो कांग्रेस सरकार के समय ही बन गया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रमन सिंह ने इस पत्र में उन्होंने स्वर्गीय वल्लभ भाई पटेल लौह पुरुष से तुलना अमित शाह से किया है। अमित शाह जो झूठ बोलने के लिये विख्यात है, अमित शाह जो विपक्ष के खिलाफ षड्यंत्र करने के लिये विख्यात है, अमित शाह जो विपक्षी दलों पे अलोकतांत्रिक पैतरे अपनाने के लिये विख्यात है। उनकी तुलना लौह पुरुष स्व. वल्लभ भाई पटेल से किया जाना बेहद ही निंदनीय है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रमन सिंह जैसे नेता जो इस प्रदेश के 15 साल मुख्यमंत्री रहे, इस प्रकार का झूठा यशोगान का पत्र लिखेंगे इससे छत्तीसगढ़ की जनता आहत होती है। यदि नक्सलवाद समाप्त हो गया तो रमन सिंह को इस पत्र में यह भी लिखना था कि उनको जो एनएसजी की सुरक्षा मिली है उनको भी वापस कर लिया जाये, क्योंकि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद है ही नहीं।

मंत्री यादव ने सम्हाली एम्बुलेंस की स्टेयरिंग, एम्बुलेंस का शुभारंभ, सेवा और संवेदनशीलता का दिए संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिला अस्पताल से 10 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किये। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने स्वयं एम्बुलेंस का स्टेयरिंग संभालते हुए ड्राइवर की भूमिका निभाई और एक प्रेरणादायक संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि केवल दायित्वों का निर्वहन करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर आपात स्थिति में मरीजों की सेवा के लिए सदैव तैयार रहते हैं।

जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता है और इन नई एम्बुलेंस के जुड़ने से जिले के दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों तक त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और अधिक सहज हो सकेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इन एम्बुलेंस के माध्यम से मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा, जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 108 संजीवनी एक्सप्रेस वाहन के जिला स्तरीय शुभारंभ अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने एम्बुलेंस के ड्राइवर सीट पर बैठकर स्टीयरिंग संभाली और साथ में जिले के कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह एवं सिविल सर्जन डॉ. आशीष मिंज को बिठाकर एम्बुलेंस से शहर कुछ क्षेत्र में एम्बुलेंस चलाकर अपने इस अनूठे अंदाज से न केवल स्वास्थ्य कर्मियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भाव का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किये। उनकी सादगी और सरलता ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किये।

इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। नई एम्बुलेंस के संचालन से दुर्ग जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई गति मिलेगी और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। आज शुभारंभ किये गये एम्बुलेंस वाहन जिला अस्पताल के अलावा जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कार्यक्रम में सीएचएमओ डॉ. दानी, सभापति श्याम शर्मा, पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्त्ता, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं कमर्चारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए इसे समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

केंद्रीय मंत्री पासवान ने विधायक रिकेश से वैशाली नगर में खाद्य प्रसंस्करण और विकास योजनाओं पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विधायक सेन ने वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट साझा की और क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की।

फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं पर जोर

मुलाकात का मुख्य केंद्र बिंदु भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देना रहा। विधायक रिकेश सेन ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है और भिलाई जैसे शहरी व औद्योगिक केंद्र में फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से वैशाली नगर में लघु एवं मध्यम खाद्य उद्योगों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने विधायक रिकेश सेन के सक्रिय नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुई अपनी मुलाकात और उस समय रिकेश सेन द्वारा निभाई गई भूमिका का स्नेहपूर्वक स्मरण किया। श्री पासवान ने कहा कि जिस ऊर्जा के साथ रिकेश सेन वैशाली नगर के विकास के लिए समर्पित हैं, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से भिलाई के विकास कार्यों में हर संभव तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा।

भिलाई आने का दिया निमंत्रण

चर्चा के अंत में विधायक रिकेश सेन ने चिराग पासवान को युवा महोत्सव में भिलाई आने का औपचारिक निमंत्रण दिया। केंद्रीय मंत्री ने इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि वे जल्द ही भिलाई का दौरा करेंगे और वहां के विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर स्थानीय उद्यमियों व जनता से संवाद करेंगे। विधायक रिकेश सेन ने इस मुलाकात को अत्यंत सफल बताते हुए कहा कि चिराग पासवानजी के मार्गदर्शन में वैशाली नगर में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी नई संभावनाओं पर काम किया जाएगा, जिससे हमारे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

बिलासपुर में खूनी वारदात : तलवार से हमला, बुजुर्ग महिला की मौत — तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर-रतनपुर

जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। घरेलू विवाद ने इतना उग्र रूप ले लिया कि तलवार से किए गए हमले में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, पेंडरवा निवासी सुरेश श्रीवास (46) अपने दो बेटों के साथ थाने पहुंचा था। इसी दौरान घायल अवस्था में एक अन्य पक्ष के लोग भी पहुंचे और आरोप लगाया कि सुरेश और उसके बेटों ने उनके घर में घुसकर जानलेवा हमला किया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी।

घटनास्थल पर पीड़ित शेख शब्बीर ने बताया कि आरोपी सुरेश श्रीवास अपनी पूर्व पत्नी (जिससे 3-4 महीने पहले तलाक हो चुका है) और उसके छोटे भाई शेख सलीम के बीच अवैध संबंध के शक को लेकर लंबे समय से विवाद करता आ रहा था। इसी रंजिश में रविवार को आरोपी तलवार लेकर घर पहुंचा और परिवार पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में मुराद बेगम (65) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज सिम्स अस्पताल में जारी है।

बताया जा रहा है कि घटना से एक दिन पहले ही पीड़ित परिवार की महिलाएं आरोपी की शिकायत लेकर थाने पहुंची थीं और पुलिस से हस्तक्षेप की मांग की थी। पुलिस ने अगले दिन बुलाने की बात कही थी, लेकिन उससे पहले ही यह खौफनाक घटना हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी और उसके दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इलाके में दहशत, पुलिस पर भी उठे सवाल

इस वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। साथ ही, समय रहते कार्रवाई नहीं होने को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

रिश्तों का कत्ल: पत्नी-भाई-भांजे ने मिलकर रची साजिश

बलौदाबाजार। जिले के पलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिनौरी में सामने आए एक दिल दहला देने वाले हत्याकांड का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया। यह मामला केवल एक हत्या नहीं, बल्कि रिश्तों के विश्वास के टूटने और पारिवारिक विघटन की भयावह तस्वीर पेश करता है।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 29-30 मार्च 2026 की दरमियानी रात 37 वर्षीय राम कुमार साय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई, लेकिन घटनास्थल के हालात और साक्ष्यों ने पुलिस को शुरू से ही संदेह में डाल दिया।

गहराई से जांच में खुली साजिश की परतें : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत

जांच शुरू की। फॉरेंसिक रिपोर्ट, पोस्टमार्टम और परिजनों से पूछताछ के आधार पर धीरे-धीरे सच्चाई सामने आई। जांच में खुलासा हुआ कि मृतक की पत्नी मीना बाई साय, बड़े भाई महावीर और भांजे वैभव उर्फ अंशु बंजारे ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

घरेलू विवाद बना हत्या की वजह : पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक शराब का आदी था और आए दिन घर में विवाद करता था। उस पर अपनी ही बेटी के प्रति गलत नजर रखने जैसे गंभीर आरोप भी थे, जिससे परिवार लंबे समय से मानसिक तनाव में था। लगातार बढ़ते तनाव और विवाद ने आरोपियों को यह खौफनाक कदम उठाने के लिए उकसाया।

गमछे से गला घोंटकर हत्या, आत्महत्या का दिया रूप : योजना के तहत 29-30 मार्च की रात तीनों आरोपियों ने मिलकर राम कुमार साय का गमछे से गला घोंट दिया। हत्या के बाद मामले को आत्महत्या साबित करने की कोशिश की गई, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके।

पुलिस की तत्परता से 24 घंटे में खुला राज : वैज्ञानिक साक्ष्यों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने आरोपियों से कड़ी पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि जब परिवार के भीतर संवाद खत्म होता है, तो रिश्ते किस तरह भयावह अंजाम तक पहुंच सकते हैं।

चरित्र शंका : रायपुर के सेमरिया में पति ने पत्नी और मासूम बेटी की टंगिया से हत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर के सेमरिया गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने चरित्र शंका के चलते अपनी ही पत्नी और मासूम बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है।

टंगिया से किया हमला, मौके पर मौत- मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी गुलाब साहू ने अपनी दूसरी पत्नी लता साहू और उसकी बेटी मुस्कान साहू पर टंगिया से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटों के चलते दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की भयावहता से गांव के लोग स्तब्ध हैं।

चरित्र पर संदेह बना हत्या की वजह- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसी शक ने उसे इस हद तक उकसा दिया कि उसने अपनी ही परिवार को खत्म कर दिया। घटना के बाद गांव में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार- घटना की सूचना मिलते ही विधानसभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और पूरे मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

इलाके में दहशत का माहौल- इस दोहरे हत्याकांड के बाद सेमरिया गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एक छोटी सी शंका ने एक पूरे परिवार को उजाड़ दिया। यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि सामाजिक सोच पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस जांच में जुटी है और मामले का पूरा सच सामने आने का इंतजार है।

खैरागढ़ में प्रेम प्रसंग बना मौत का कारण नाबालिग को ट्रेन से धक्का देकर की हत्या

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले में एक नाबालिग छात्रा की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां प्रेम प्रसंग में फंसी बालिका को योजनाबद्ध तरीके से अपहरण कर चलती ट्रेन से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है।

बहला-फुसलाकर किया अपहरण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चिचोला निवासी शैलेन्द्र वर्मा की नाबालिग बेटी 28 मार्च को खैरागढ़ के पिपरिया में अपने मामा के शादी समारोह में शामिल होने आई थी। देर रात रिसेप्शन कार्यक्रम के दौरान उसे बहला-फुसलाकर आरोपी अपने साथ ले गए। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना खैरागढ़ में अपहरण का मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान मुख्य आरोपी मोहन वर्मा (27) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसका नाबालिग बालिका से करीब एक साल से प्रेम संबंध था और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने थे। बालिका द्वारा साथ रहने का दबाव बनाने पर आरोपी ने अपने साथी हरीश वर्मा (31) और एक नाबालिग के साथ

मिलकर हत्या की साजिश रची।

योजना के तहत आरोपी बालिका को मोटरसाइकिल से डोंगरगढ़ ले गए और वहां से वैनगंगा एक्सप्रेस ट्रेन में बैठाकर बिलासपुर की ओर रवाना हुए। रास्ते में विवाद होने पर मस्तुरी थाना क्षेत्र के जयरामनगर रेलवे स्टेशन के आगे चलती ट्रेन से उसे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी अकलतरा स्टेशन पर उतरकर वापस लौट आए। रास्ते में उन्होंने बालिका के कपड़े जलाकर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की और उसका मोबाइल फोन भी तोड़कर फेंक दिया।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्य से खुला राज

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। डोंगरगढ़ और अकलतरा रेलवे स्टेशन के कैमरों में आरोपी बालिका के साथ नजर आए। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है।

इस पूरे मामले के खुलासे में एसडीओपी आशारानी, थाना प्रभारी अनिल शर्मा, साइबर सेल प्रभारी धर्मेन्द्र वैष्णव एवं मस्तुरी पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह घटना न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि किस तरह प्रेम प्रसंग के नाम पर विश्वास का दुरुपयोग कर एक मासूम की जिंदगी खत्म कर दी गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों को जल्द पकड़ लिया गया, लेकिन यह वारदात समाज के लिए गंभीर चेतावनी है।

फर्जी मैरिज ब्यूरो का बड़ा भंडाफोड़ : 37 लाख की ठगी, संचालक-दो आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के बसंतपुर क्षेत्र में पुलिस ने एक फर्जी मैरिज ब्यूरो के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। लव लाइफ रिश्ते मैरिज ब्यूरो के नाम से संचालित इस फर्जी ऑफिस के जरिए आरोपियों ने एक साल में करीब 37.69 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संचालक नेहा पाठक और डायरेक्टर धर्मेन्द्र मानिकपुरी को गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी प्रोफाइल बनाकर युवकों को फंसाते थे जाल में- पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी इंटरनेट से युवतियों के फोटो डाउनलोड कर फर्जी प्रोफाइल तैयार करते थे और व्हाट्सएप के माध्यम से युवकों को भेजते थे। इसके बाद शादी का झांसा देकर रजिस्ट्रेशन, पैकेज और फैमिली मीटिंग के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती थी। आरोपी प्रत्येक युवक से 30 से 40 हजार रुपये तक लेते थे। पैसे मिलने के बाद किसी न किसी बहाने से संपर्क तोड़ दिया जाता था। इस तरह संगठित तरीके से कई

युवकों को निशाना बनाया गया।

मोबाइल से मिला बड़ा डिजिटल सबूत- थाना बसंतपुर पुलिस ने सृष्टि कॉलोनी स्थित ऑफिस में दबिश देकर 7 एंड्रॉइड मोबाइल और 14 की-पैड मोबाइल जब्त किए। मोबाइल की जांच में 2286 युवतियों के फोटो मिले, जिनका इस्तेमाल फर्जी प्रोफाइल बनाने में किया जा रहा था।

मामले में थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 135/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ आईटी एक्ट की धारा 66-D के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू और उनकी टीम की भूमिका सराहनीय रही। राजनांदगांव पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन मैरिज ब्यूरो या सोशल मीडिया के माध्यम से मिलने वाले विवाह प्रस्तावों पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

खपरी में डबल मर्डर : बुजुर्ग दंपत्ति की गला रेतकर हत्या, कमरे में मिली लाश

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी में सोमवार देर रात डबल मर्डर की सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात बदमाशों ने घर में सो रहे बुजुर्ग दंपत्ति की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

मृतकों की पहचान संतराम साहू (65 वर्ष) और उनकी पत्नी श्याम बाई साहू (62 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों घर में अकेले रहते थे। मंगलवार सुबह जब आसपास के लोगों को घटना की भनक लगी, तो घर के अंदर एक ही कमरे में दोनों की खून से सनी लाश पड़ी मिली। दृश्य इतना भयावह था कि देखने वालों के रोंगटे खड़े हो गए।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला के गले से सोने का हार गायब है, जिससे लूट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि आरोपी चोरी करने के लिए घर में घुसा और पहचान उजागर होने के डर से वारदात को अंजाम दे दिया। जांजगीर-चांपा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय स्वयं घटनास्थल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने टीम को निर्देश दिए हैं कि मामले की हर एंगल से जांच कर जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।

होली का मुखौटा बना बड़ा सुराग

घटनास्थल से पुलिस को एक होली का मुखौटा और नकली बाल बरामद हुए हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाने के लिए भेष बदला था। इसके अलावा घर के फर्श पर खून से सने पैरों के निशान भी मिले हैं, जो जांच में अहम कड़ी साबित हो सकते हैं। घटना की सूचना मिलते ही मुलमुला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

गांव में दहशत, पुलिस की सख्ती

डबल मर्डर की इस वारदात के बाद पूरे खपरी गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। खपरी की यह दोहरी हत्या कई सवाल खड़े कर रही है—क्या यह सिर्फ लूट के लिए की गई वारदात है या इसके पीछे कोई और गहरी साजिश छिपी है? फिलहाल पुलिस हर पहलू की जांच में जुटी है और पूरे मामले का खुलासा जल्द होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कलेक्टर की कार्रवाई से स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप, मार्च का वेतन रोका

साजा। बेमेतरा कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई के आदेश पर साजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी अधिकारी-कर्मचारियों का मार्च का वेतन रोक दिया गया है। बताया गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्य को हासिल करने में पीछे रहने के कारण यह कार्रवाई की गई है। इस आदेश के बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप है। जिले में संभवतः यह अपनी तरह की पहली और सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बेमतरा डॉ. अमृत रोहडेलकर द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, 24 मार्च को जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में पाया गया कि साजा ब्लॉक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां के निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां अत्यंत निराशाजनक है। इस पर बेमेतरा कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और आगामी आदेश तक साजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी स्टाफ का मार्च माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए। आदेश में किसी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बजाय पूरे ब्लॉक के अमले को लपेटे में ले लिया गया है।

साजा ब्लॉक में कार्यरत लगभग 200 से अधिक कर्मचारी, जिनमें डॉक्टर, नर्स, एएनएम, चौकीदार और स्वीपर शामिल हैं, अब वेतन से वंचित रहेंगे। स्वास्थ्य विभाग के इस आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि आखिर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले चतुर्थ वर्ग कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लक्ष्य के लिए कैसे सीधे तौर पर दोषी पाए गए। आदेश की कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कर्मचारियों में गहरा असंतोष देखा जा रहा है।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गूगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।

Google NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER

शाम 4 बजे से पढ़े

GOSWWAMI FLEX PRINTING ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing • One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address - 3rd Floor Shop No.1, Arora Tower, M.G. Market

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg

baked.by.suhani
posts, mesage
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message

Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100